मनसा सेवा - 71

अव्यक्त बापदादा :- (30/03/1998)

➳ _ ➳ यह सारे विश्व तक आवाज़ कुछ साइलेन्स और कुछ साइलेन्स की शक्ति द्वारा ही पहुंचेगा, जिसको मन का आवाज पहुंचेगा वह समझो ज्यादा समीप आयेंगे और जिसको मुख का आवाज पहुंचेगा, उनमें से नम्बरवार होंगे। इसलिए अभी यह साइलेन्स की विशेषता क्या है और साइलेन्स के बल से क्या-क्या कर सकते हैं, हो सकता है इस विषय पर ज्यादा अटेन्शन क्योंकि समय कम है और सेवा विश्व की हर आत्मा को सन्देश पहुंचाना है।

➳ _ ➳ इसलिए बापदादा ने कहा कि कुछ सुनायेंगे क्योंकि निमित तो आप हो वायुमण्डल में लहर फैलाने के निमित तो आप ही हैं। हैं ना? तो ऐसी लहर फैलाओ। सभी सहयोगी बन जाओ। **अभी मन का आवाज मुख के आवाज से भी ज्यादा काम कर सकता है।** तो ऐसे ग्रुप वनाओ जो इस कार्य के रुचि वाले हों और इसकी रिहर्सल करते रहें। जैसे पहले शुरू में याद का अभ्यास किया, सेवा के नये-नये प्लैन्स बनाये तो उससे इतनी वृद्धि हुई है ना। अभी जैसे पहली रचना हुई, मुख द्वारा डायरेक्ट, फिर हुई मन्सा संकल्प द्वारा ब्रह्मा द्वारा, अभी है शक्तियों द्वारा, जो कहते हैं कि शक्तियों ने बाण चलाये। तो यह बाण जो संकल्प द्वारा स्पष्ट आवाज पहुंच जाए, कोई बुला रहा है, कोई कुछ कह रहा है।

➳ _ ➳ जैसे कोई-कोई को स्वप्न पीछे पड़ जाता है, जब तक वह काम पूरा नहीं करता तो बार-बार स्वप्न उसको जागृत करता रहता। कई रिधि सिधि वाले भी कुछ विधि से करते हैं। लेकिन योग की विधि द्वारा यह आवाज फैले। ऐसे सेवा के प्लैन बनाओ। जैसे अभी यह उत्सवों का वर्ष मनाया ना। अभी वह तो हो गया, अभी फिर ऐसी कोई लहर फैलाओ जो विहंग मार्ग की सेवा हो। मुख की विहंग मार्ग की सेवायें तो बहुत की। उसकी रिजल्ट तो है ही। अभी फिर कोई नवीनता। समझा। देखेंगे कौन-कौन इसमें नम्बर लेता है।

➢➢ साइलेन्स को कब-कब और कहाँ-कहाँ प्रयोग करना है ?

➳ _ ➳ मुख का मौन-

➳ _ ➳ जब कोई Arguement कर रहा हो

→ तब साइलेंस का प्रयोग करना है

- चुप हो जाना है

➳ _ ➳ **कोई Critisize, विरोध, निंदा, ग्लानी, ब्लेम कर रहा हो**

→ उस समय मौन हो जाना है

➳ _ ➳ Gossips

→ जब कोई झगमुई, झरमुई कर रहा हो

- जहाँ दूसरों की निंदा, कमेंट्स चल रहे हों तो चुप हो जाना है

  - **अगर हम हाँ में हाँ मिला रहे हैं मतलब हमारी सहमति है**

  - **बाबा के अव्यक्त महावाक्य-‘ हम यदि किसी की निंदा करते हैं तो हमारी दुगुनी निंदा होगी’**

  - हो सके तो वहां से चले जाना है

➳ _ ➳ किसी की गलती या बात को फैलाना नहीं है

- अगर कोई किसी की गलती को फैला रहा है तो मौन हो जाना है, आगे फैलाना नहीं है

➳ _ ➳ कोई कुछ सुना रहा है तो बीच में बोलना नहीं है, चुप रहना है

➳ _ ➳ खाते समय मौन रहना है

- **बात कर रहे मतलब बाप की याद में भोजन नहीं कर रहे**

➳ _ ➳ अकेले जब हों तो TV, रेडियो नहीं लगाना

- **एकांत को आवाज वाली चीजों से नहीं भरनी है**

➢➢ मन का मौन (योग बल, आत्मिक बल, आत्मिक शक्ति, शांति की शक्ति)

➳ _ ➳ **जिनको मन का आवाज़ लगेगा वो ज्यादा समीप आयेंगे, जिनको मुख का आवाज़ उसमें नम्बरवार**

→ ऐसे ग्रूप बनाना जिनको इसमें रूचि हो

➳ _ ➳ हमने कुछ कहा नहीं पर आत्माओं को ऐसा अनुभव हो उनको कोई बुला रहा है

→ उनको लगे ये हमारे नजदीक के सम्बन्धी हैं

- पहले relation फिर connection
  - ये अनुभव हो यही है, वही है
  - यही मास्टर है, गाइड है, messanger है, angel है
  - हमको पहले इन स्वरूपों में टिकना है

→ उनको लगे इन्होंने कुछ पाया है, इनको कुछ प्राप्ति है, कुछ अनुभव है, कुछ खज़ाना है, हम रिक्त हैं

➳ _ ➳ **धुन लग जाना है**

→ उसी का विचार, बार-बार चिन्तन, जैसे उस संकल्प ने माइंड को कैप्चर कर लिया हो

→ उसके अतिरिक्त कोई और संकल्प ना हो

- जब तक काम पूरा ना हो स्वप्न उसे जागृत रखता है
- कोई भी विचार मन में आ गया की ये करना है तो जब तक पूरा ना हो जाये तो व्यक्ति चैन से नहीं बैठता है
- जैसे कोई स्टूडेंट एग्जाम के समय टीवी देखना, खेलना, दोस्तों के साथ जाना छोड़ देते हैं, दिनरात केवल पढाई करते हैं
  - **ऐसी स्थिति पुरुषार्थ में भी लाना है**

➳ _ ➳ विहंग मार्ग की सेवा हो

→ तेजी से सेवा हो

→ हर बात में नवीनता लानी है